

**पर्यटन मंत्री ने चौक स्थित बड़ी काली मंदिर में पूजा अर्चना कर शारदीय
नवरात्रि के अवसर पर संचालित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया**
**मंदिर परिसर में कराये जा रहे निर्माण कार्यों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के
साथ पूरा किया जाये—जयवीर सिंह**

लखनऊ : 14 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने बुधवार को प्रातः चौक स्थित बड़ी काली मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। संस्कृति विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत शारदीय नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश के चिन्हित शक्तिपीठों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसका शुभारम्भ मा0 मंत्री जी ने बड़ी काली मंदिर चौक से प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा तथा स्वावलम्बन का संदेश देकर किया।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर कार्यक्रम को सफल बनाये। उल्लेखनीय है कि शक्तिपीठों पर शक्ति आराधना के अंतर्गत 17, 18 एवं 19 अक्टूबर, 2026 को प्रदेश के 26 चयनित शक्तिपीठों, देवी मंदिरों में देवीगीत गायन एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जायेगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलम्बन का संदेश दिया जायेगा।

पर्यटन मंत्री ने इस अवसर पर मीडिया बन्धुओं से संवाद करते हुए कहा कि विपक्ष इधर-उधर का मुद्दा न उठाकर जनसेवा की भावना से और संयम के साथ कार्य करें। प्रदेश सरकार अपना कार्य कर रही है। उन्होंने इस मौके पर काली मंदिर के प्रांगण में विभाग द्वारा 2.27 करोड़ रुपये की लागत से कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना का 40 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

उन्होंने मंदिर की परिसर में कराये जा रहे कार्यों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्य में अधोमानक सामग्री का उपयोग एवं विलम्ब पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर महंत स्वामी विवेकानंद, शुभम पाण्डेय पुजारी, उमेश पाटिल पार्षद अनुराग मिश्रा, अवधेन्द्र पाण्डेय, डा0 वीरेन्द्र कुमार, संयुक्त निदेशक पर्यटन प्रीति श्रीवास्तव, सहायक निदेशक संस्कृति रेनूरंग भारती तथा ए0पी0 सिंह व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पर्क सूत्र— केवल

राघवेन्द्र / 02:00 PM